अध्याय- चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं परिणामों की व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत अध्ययनकर्ता ने शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यवसायिक संतुष्टि के उपकरणों के माध्यमों से प्रदत्तों का संकलन किया गया है। प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण 'टी' परीक्षण, सह संबंध, मध्यमान और प्रमाण–विचलन जैसे सांख्यिकीय द्वारा किया गया है।

इस अध्याय में प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या की गई है। अध्ययन की परिकल्पनाओं की स्वीकृति अथवा अस्वीकृति हेतु प्रदत्तों का विश्लेषण कर अंतिम परिणाम ज्ञात किया गया है। जो निम्नलिखित है।

परिकल्पना–1

"माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य कोई संबंध नहीं होग।"

तालिका क्रमांक 4.1

माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता तथा व्यवसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध।

चर	शिक्षकों की संख्या (N)	सह–संबंध गुणांक (r)	सार्थकता P<0.05*
शैक्षिक परिपक्वता व्यवसायिक संतुष्टि	100	0.060	सार्थक नहीं है।

तालिका क्रमांक 4.1 में प्रदर्शित आंकडों से ज्ञात होता है कि माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शैक्षिक परिकल्पना एवं व्यवसायिक संतुष्टि का सह–संबंध 0.060 है जो कि धनात्मक सह संबध है। जो सार्थकता हेतु वांछित मूल्य सार्थकता स्तर 0.01 एवं 0.05 पर क्रमशः 0.256 एवं 0. 196 होना चाहिए। यहां पर सहसंबंध की गणना से प्राप्त मूल्य 0.060 है जो सार्थकता हेतु होनी चाहिएउसी मूल्य से कम है। अतः यहाँ पर परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त परिणाम के आधार पर परिकल्पना–1 "माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य सार्थक संबंध नहीं होगा। " को स्वीकृत किया जाता है।

परिकल्पना–2

"माध्यमिक शाला में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।"

तालिका क्रमांक 4.2

माध्यमिक स्तर शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता के मध्यमानों की तुलना।

लिंग	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	'टी'–मूल्य 't'	सार्थकता P<0.05*
शिक्षक	60	11.81	5.75	0.71	सार्थक नहीं है।
शिक्षिकाओं	40	12.25	5.13		

तालिका क्रमांक 4.1 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता का टी मूल्य 0.71 है, यह मान 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। जो कि यह मान सार्थकता हेतु टी की वांछित मूल्य (1.99) से कम है अतः 0.05 स्तर पर यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त परिणाम के आधार पर परिकल्पना : 2 : माध्यमिक शाला में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।" को स्वीकृत किया जाता है।

अतः यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के शैक्षिक परिपक्वता लगभग समान है।

परिकल्पना– 3

"ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।"

तालिका क्रमांक 4.3

ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता के मध्यमानों की तुलना।

लिंग	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	'टी'–मूल्य 't'	सार्थकता P<0.05*
शहरी	50	13.76	4.68	0.55	सार्थक नहीं है।
ग्रामीण	50	13.26	3.61		

तालिका क्रमांक 4.3 में प्रदर्शित आंकडों से ज्ञात होता है कि ग्रामीण एवं शहरी शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता का ही मूल्य 0.55 है। जो 0.05 स्तर और 0.01 पर स्तर पर सार्थक नहीं है जो कि वह मान सार्थकता हेतु टी का वांछित मूल्य क्रमशः (1.99) और 2.63 से कम है अतः यहाँ पर परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त परिणाम के आधार पर परिकल्पना 3 : "ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।" को स्वीकृत किया जाता है।

परिकल्पना –4

"माध्यमिक शाला में कार्यरत शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।"

तालिका क्रमांक 4.4

शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता के मध्यमानों की तुलना।

लिंग	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	'टी'–मूल्य 't'	सार्थकता P<0.05*
शैक्षिक अनुभवी	60	15.65	3.22	1.32	सार्थक नहीं है।
आंशिक शैक्षिक अनुभवी	40	10.30	3.34		

तालिका क्रमांक 4.4 में प्रदर्शित आंकड़ों से ज्ञात होता है कि माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता का टी मूल्य 1.32 है। जो 0.05 स्तर और 0.01 स्तर पर सार्थकता हेतु क्रमशः 1.99 और 2.63 से बराबर या अधिक होना चाहिए। पर यहाँ पर 't' मूल्य की गणना से प्राप्त मूल्य 1.32 कम्म है। इसीलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त परिणाम के आधार पर परिकल्पना 4:– "माध्यमिक शाला में कार्यरत शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।" को स्वीकृत किया जाता है।

Regional Institute LIBRARY Bhopal

परिकल्पना – 05

''माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।''

तालिका क्रमांक 4.5

माध्यमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्यमानों की तुलना।

लिंग	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	'टी' मूल्य	सार्थकता P<0.05*
शिक्षक	60	20.06	1.08	0.73	सार्थक नहीं है।
शिक्षिका	40	26.40	1.91		

तालिका क्रमांक 4.5 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की व्यावसायिक संतुष्टि का ही मूल्य 0.43 है। यह मान 0.05 एवं 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। जो कि यह मान सार्थकता हेतु टी का वांछित मूल्य क्रमशः 1.99 एवं 2.63 से कम है। अतः 0.05 और 0.01 स्तर पर परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

उपर प्राप्त हुए परिणाम के आधार पर परिकल्पना–5 ''माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।'' को स्वीकृत किया जाता है।

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि माध्यमिक शाला में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की व्यवसायिक संतुष्टि के मध्य लगभग अंतर नहीं है।

परिकल्पना–6

"ग्रामीण एवं शहरी शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।"

तालिका क्रमांक 4.6

ग्रामीण एवं शहरी शालाओं में कार्यरत माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्यमानों की तुलना।

विद्यालय का स्थान	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' मूल्य 't'	सार्थकता **P<0.05***
शहरी	50	26.60	1.37	0.36	सार्थक नहीं है।
ग्रामीण	50	25.64	2.12		

तालिका क्रमांक 4.6 में प्रदर्शित आंकडो के अवलोकन से ज्ञात होता है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का टी मूल्य 0.36 प्राप्त हुआ है। जो 0.05 और 0.01 पर सार्थक नहीं है। जो कि यह मान सार्थकता हेतु टी के वांछित मूल्य क्रमशः (1.99) और (2.63) से कम है। अतः यहाँ पर परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त प्राप्त परिणाम के आधार पर परिकल्पना :6 "ग्रामीण एवं शहरी शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की व्यवसायिक संतुष्टि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।" को स्वीकार किया जाता है।

परिकल्पना– 7

"माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।"

तालिका क्रमांक 4.6

शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी माध्यमिक शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्यमानों की तुलना।

अनुभव	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	'टी' मूल्य 't'	सार्थकता **P<0.05***
शैक्षिक अनुभवी	60	25.95	1.92	0.25	सार्थक नहीं है।
आंशिक शैक्षिक अनुभवी	40	26.37	1.69		

तालिका क्रमांक 4.7 में प्रदर्शित आंकडों के अवलोकन से ज्ञात होता है कि माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शैक्षिक अनुभवी और आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की व्यवसायिक संतुष्टि का टी मूल्य 0.25 है। जो 0.05 और 0.01 स्तर पर सार्थकता हेतु क्रमशः 1.99 और 2.63 से बराबर या अधिक होना चाहिए। पर यहाँ पर 't' मूल्य की गणना से प्राप्त मूल्य 0.25 है। इसीलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त प्राप्त परिणाम के आधार पर परिकल्पनाः7 माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की व्यवसायिक संतुष्टि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।" को स्वीकृत किया जाता है।